वशि्व हाथी दविस

प्रलिम्सि के लयि:

वशि्व हाथी दविस, प्रवासी प्रजातयिों का सम्मेलन (CMS), प्रकृत िके संरक्षण के लयि अंतरराष्ट्रीय संघ (IUCN), हाथी रजिर्व (ERs), हाथयिों की अवैध हत्या की नगिरानी (MIKE) कार्यक्रम।

मेन्स के लयि:

हाथयिों के संरक्षण का महत्त्व और हाथी की प्रजातयिों से संबंधति मुद्दे।

चर्चा में क्यों?

प्रत्येक वर्ष **12 अगस्त** को **वशि्व हाथी दविस**, मनाया जाता है, जसिका उद्देश्य हमारे पारस्थितिकी तंत्र में हाथयिों के महत्त्व को स्वीकार करना है।

- यह हाथयिों के द्वारा **दैनकि जीवन में सामना करने वाले खतरों** के प्रत िलोगों में जागरूकता बढ़ाने पर बल देता है। हाथयिों के **अवैध शकिार, पालतू हाथयिों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार, उनके आवास को क्षत िपहुँचाने** जैसे कारकों को कम करने में महत्त्वपूर्ण भूमकिा नभिाता है।

हाथी दविस का महत्त्व:

- **परचिय:**
  - हाथयिों को कई संस्कृतयिों में पवति्र पशु माना जाता है और एक स्वस्थ पारस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने के लयि ये अत िआवश्यक होते हैं।
    - हाथी **जैव ववििधिता** को भी बढ़ावा देते हैं।
    - ये एक बुद्धमिान प्रजात िहोती हैं, उनके पास कसिी भी स्थल पर रहने वाले प्रजातयिों की तुलना में आकार में सबसे बड़ा दमिाग पाया जाता है।
- **जनसंख्या:**
  - पछिले 75 वर्षों में हाथयिों की **आबादी में 50% की कमी** आई है।
    - वर्तमान जनसंख्या अनुमान से संकेत मलिता है कि विशि्व में लगभग 50,000-60000 एशयिाई हाथी हैं।
      - भारत में वशि्व की हाथयिों की 60% से अधकि जनसंख्या नविास करती है।
- **ऐतहिासकि परपि्रेक्ष्य:**
  - वशि्व हाथी दविस अभयिान **वर्ष 2012 में अफ्रीकी और एशयिाई हाथयिों को** होने वाली दक्किकतों के प्रत िलोगों को जागरूक करने के उदेश्य से शुरू कयिा गया था।
    - इस अभयिान का उद्देश्य एक **स्थायी वातावरण का नरि्माण** करना है जहाँ हाथयिों के साथ होने वाले शोषण को रोका जा सके और उनकी देखभाल की जा सके।
  - वशि्व हाथी दविस को पहली बार कनाडा के फलि्म नरि्माता माइकल क्लार्क और पेट्रीसयिा समि्स द्वारा थाईलैंड स्थति हाथी प्रजनन फाउंडेशन के साथ मनाया गया था।
    - वर्ष 2012 में पेट्रीसयिा समि्स ने **वर्ल्ड एलीफेंट सोसाइटी नामक एक संगठन** की स्थापना की।
      - संगठन हाथयिों के सामने आने वाले खतरों और वशि्व स्तर पर उनकी रक्षा करने की अनविार्यता के बारे में जागरूकता पैदा करने में सफल रहा है।
- **संरक्षण स्थति:**
  - IUCN की **रेडलसि्ट में स्थति: संकटग्रस्त।**
    - अफ्रीकी जंगली हाथी- गंभीर रूप से संकटग्रस्त
    - अफ्रीकी सवाना हाथी- **लुप्तप्राय**
    - एशयिाई हाथी - **लुप्तप्राय**
  - प्रवासी प्रजातयिों का सम्मेलन (सीएमएस): परशिषि्ट I
  - **वन्यजीव (संरक्षण) अधनियिम, 1972:** अनुसूची-1

भारत में हाथियों से संबंधित मुद्दे:

- प्रोजेक्ट एलीफैंट द्वारा वर्ष 2017 की जनगणना के अनुसार भारत में जंगली एशियाई हाथियों की सबसे अधिक संख्या (29,964 अनुमानित) है, जो कि हाथियों की वैश्विक आबादी का लगभग 60% है।
    - **मानव-हाथी संघर्ष:**
        - मनुष्यों और हाथियों के बीच टकराव को मानव-हाथी संघर्ष (HEC) कहा जाता है, जो मुख्य रूप से अधिवास को लेकर होता है तथा सरकारों, संरक्षणवादियों और जंगली जानवरों के करीब रहने वाले लोगों के लिये देश भर में एक प्रमुख चिंता का विषय है।
    - **प्राकृतिक आवास की क्षति:**
        - प्राकृतिक आवास की क्षति और विखंडन जंगली हाथियों को मानव बस्तियों के करीब ला रहा है जो इन संघर्षों को जन्म देता है।
        - प्रत्येक वर्ष हाथियों के साथ संघर्ष में 500 से अधिक इंसानों की मृत्यु हो जाती है तथा लाखों की फसल और संपत्ति का भी नुकसान होता है।
        - संघर्ष के कारण प्रतिशोध में कई हाथी भी मारे जाते हैं।

सरकार द्वारा की गई पहल:

- **प्रोजेक्ट एलीफैंट:** इसे 1991-92 में पर्यावरण और वन मंत्रालय की केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में शुरू किया गया था।
    - वर्ष 2007, 2012 और 2017 में जंगली हाथियों की आबादी का अनुमान लगाया गया जिसमें कर्नाटक में हाथियों की संख्या सबसे अधिक है, इसके बाद असम और केरल का स्थान है।
- **हाथी रिज़र्व:** यह भारत सरकार की सिफारिश के अनुसार राज्य सरकारों द्वारा अधिसूचित एक प्रबंधन इकाई है।
    - इसमें संरक्षित क्षेत्र, वन क्षेत्र, गलियारे और निजी/आरक्षित भूमि शामिल हैं।
    - अगस्त्यमलाई (तमिलनाडु) देश का 32वाँ हाथी अभ्यारण्य होगा।
- हाथियों की अवैध हत्या की निगरानी (Monitoring of Illegal Killing of Elephants- MIKE) कार्यक्रम: इसे CITES के पक्षकारों का सम्मेलन (Conference Of Parties- COP) द्वारा अज्ञापित किया गया है।
    - इसकी शुरुआत दक्षिण एशिया में (वर्ष 2003) निम्नलिखित उद्देश्य के साथ की गई थी:
        - हाथी रेंज देशों के लिये उचित प्रबंधन और प्रवर्तन निर्णय लेने हेतु आवश्यक जानकारी प्रदान करने के लिये।
        - हाथी आबादी के दीर्घकालिक प्रबंधन हेतु रेंज देशों के भीतर संस्थागत क्षमता का निर्माण करने के लिये।
    - **भारत में माइक स्थल:**
        - चिरांग-रिपू हाथी रिज़र्व (असम)
        - देवमाली हाथी रिज़र्व (अरुणाचल प्रदेश)
        - देहिंग पटकई हाथी रिज़र्व (असम)
        - गारो हिल्स हाथी रिज़र्व (मेघालय)
        - पूर्वी दूआर हाथी रिज़र्व (पश्चिम बंगाल)
        - मयूरभंज हाथी रिज़र्व (ओडिशा)
        - शिवालिक हाथी रिज़र्व (उत्तराखंड)
        - मैसूर हाथी रिज़र्व (कर्नाटक)
        - नीलगिरी हाथी रिज़र्व (तमिलनाडु)
        - वायनाड हाथी रिज़र्व (केरल)

विगत वर्षों के प्रश्न:

प्रश्न. भारतीय हाथियों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2020)

1. हाथियों के समूह का नेतृत्व मादा करती है।
2. इनके गर्भधारण की अधिकतम अवधि 22 महीने हो सकती है।
3. एक मादा हाथी सामान्य रूप से केवल 40 वर्ष की आयु तक बच्चे को जन्म दे सकती है।
4. भारतीय राज्यों में सबसे अधिक हाथी जनसंख्या केरल में है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 4
(c) केवल 3
(d) केवल 1, 3 और 4

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- हाथियों के झुंड का नेतृत्व सबसे पुरानी और बड़ी मादा सदस्य (झुंड की माता) द्वारा कयिा जाता है। इस झुंड में नर हाथी की सभी संतानें (नर और मादा) शामलि होती हैं। **अतः कथन 1 सही है।**
- हाथियों में सभी स्तनधारियों की सबसे लंबी गर्भकालीन (गर्भावस्था) अवधि होती है, जो 680 दनिों (22 महीने) तक चलती है।**अतः कथन 2 सही है।**
- 14 से 45 वर्ष के बीच की मादा हाथी लगभग हर चार साल में बच्चे को जन्म दे सकती हैं, जबकि औसत जन्म अंतराल 52 साल की उम्र में पाँच साल और 60 साल की उम्र में छह साल तक बढ़ जाता है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**
- हाथी जनगणना 2017 के अनुसार, कर्नाटक में हाथियों की संख्या सबसे अधकि (6,049) है, इसके बाद असम (5,719) और केरल (3,054) का स्थान है। **अतः कथन 4 सही नहीं है।**

अतः वकिल्प (a) सही है।

स्रोत: द हदिू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-elephant-day